Reference Re: First Sitting of the House in New Building of Parliament

संसद के नए भवन में सभा की पहली बैठक के बारे में उल्लेख

माननीय अध्यक्ष: आज हमारे देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है, जब हम संसद के नए भवन में लोकसभा में पहली बैठक आरंभ कर रहे हैं। हमारा सौभाग्य है कि हमें संसद के पुराने और नए दोनों भवनों में अपने संसदीय दायित्वों के सम्यक निर्वहन का अवसर मिला है और हमें इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने का अवसर मिला है। इस शुभ अवसर पर मैं आप सबको शुभकामना देता हूं, बधाई देता हूं। आज हम सबके लिए शुभ दिन है, मैं सभी को गणेश चतुर्थी की बहुत- बहुत शुभकामनाएं और बधाई देता हूं।

माननीय सदस्यगण, आज हम देश के उन संस्थापकों और राष्ट्र निर्माताओं का स्मरण करते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं जिनके संघर्ष एवं बलिदान के कारण हमें आजादी मिली। उन्होंने एक ऐसा संविधान दिया जो जनता को केंद्र में रखकर राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक की प्रगति को सुनिश्चित करता है

माननीय सदस्यगण, हमारे श्रेष्ठ संसदीय परंपराएं और परिपाटियां तथा अनुभव रहे हैं। हम नए भवन में उन श्रेष्ठ परंपराओं को आगे बढ़ाएंगे, जो हमारे अच्छे अनुभव रहे हैं, उनको आगे बढ़ाएंगे और जो हमारे अच्छे अनुभव नहीं रहे हैं, उन अनुभवों का त्याग करेंगे। हम संसद की उच्च मर्यादा और प्रतिष्ठा कायम करें, हम नए भवन में विचारों के साथ लोकतंत्र की संस्कृति को चर्चा-संवाद की श्रेष्ठ परंपराओं को स्थापित करें। हम सदन में शालीनता और मर्यादा से अपने विचारों को रखें। सहमति, असहमति लोकतंत्र का मूल मंत्र है किंतु उसे हम गरिमा के साथ व्यक्त करें, मुद्दों पर चर्चा करें, हमारा सदन स्वस्थ चर्चा और संवाद का केंद्र बने।

(1320/KDS/VR)

हमारे राजनीतिक और वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हमने देश हित में एक साथ मिलकर बड़े फैसले लिए हैं। मुझे आशा है कि इस सदन में भी हम उन्हीं परंपराओं का निर्वहन करेंगे, इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि नए भवन में हम ऐसे प्रतिमान स्थापित करें, जिससे लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास, भरोसा और मजबूत हो। आज हमारे सदन की गतिविधियों को सूचना प्रौद्योगिकी और नई तकनीक के माध्यम से पूरा देश देख रहा है, इसलिए हम इस नए भवन में देश की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं के अनुरूप जनता के विश्वास और भरोसे को जीतने का प्रयास करें। उनके मुद्दे, उनकी आकांक्षाओं को जिम्मेदारी के साथ मर्यादित तरीके से सदन में रखें।

माननीय सदस्यगण, सदन के सुचारू संचालन में सभी माननीय सदस्यों का सहयोग मुझे निरंतर मिलता रहा है। मुझे आशा है कि नए संसद भवन में और इस कक्ष में भी अच्छी परम्पराओं और परिपाटियों को लागू करते हुए आप मुझे सहयोग करेंगे और सदन को सुव्यवस्थित नियमों-प्रक्रियाओं से चलाने में मेरा सहयोग करेंगे। हमारी यह भावना, हमारी विरासत, वीरता और आधुनिकता का भव्य समागम है। रिकॉर्ड समय में इस भवन का निर्माण सुनिश्चित करने के लिए मैं माननीय प्रधान मंत्री जी को हार्दिक धन्यवाद देता हूं। मैं भवन के निर्माण में योगदान के लिए भारत सरकार, लोक सभा सचिवालय और श्रमवीर कर्मयोगियों को भी हार्दिक धन्यवाद देता हूं। मुझे विश्वास है कि आज गणेश चतुर्थी के शुभ दिन पर हम नई ऊर्जा, नई उमंग, नए उत्साह, नए सपने के साथ संसद की कार्यवाही शुरू करेंगे।

मैं अब माननीय प्रधान मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि वह सदन को सम्बोधित करें।